S.No.	Name of the Company/ Cooperative	Location	Estimated Capital Cost (In Rs. crores)	Production envisaged Product Capacity (In lakh MTPA)	Expected date of commissioning
7.	Oswal Chemicals & Fertilizers Limited	Shahjahanpur U.P. (Grassroots)	1325.00	Urea 7.26	December, 1995 Trial production has started
8.	Nagarjuna Fertilizers & Chemicals Limited (NFCL)	Kakinada, A.P. (Expansion)	954.21	Urea 4.95	Second half of 1997-98
9.	National Fertilizers Limited (NFL)	Nangal, Punjab (de-bottlenecking)	50.00	Urea 1.81	01.11.1996

Total estimated capital cost—6494.06 crores

Total production (a) Urea—38.06 lakh MTPA

(b) NPK—1.84 lakh MTPA

(c) The Ministry of Agriculture has estimated the demand for 'N\ 'P' & 'K' nutrients in the year 1995-96 at 10.75 million metric tonnes, 3.56 million metric tonnes and 1.35 million metric tonnes respectively. Assuming an average annual growth rate of 6% in the consumption of 'N* nutrient and 5% each for the nutrients 'P' and 'K', demand is likely to go upto 12.03 million metric tonnes of 'N', 3.92 million metric of 'P' and 1.48 million metric tonnes of 'K' respectively in the year 1997-98. Their actual consumption will depend inter-alia on variables like nutrient prices, state of monsoon etc. Domestic production supplemented by imports is expected to take care of the actual demand for different nutrients in 1997-98.

Floods in Punjab

601. SHRI VIRENDRA KATARIA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether several parts of Punjab have been affected by recent rains and floods;

(b) if so, the details thereof;

(c) the details of the damages caused by rains/floods;

(d) the details of the survey, if any, conducted in this regard; and

(e) the steps taken by Government to provide relief and rehabilitation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) to (d) According to the information received from the Government of Punjab and the findings of the Central Team which visited the State, heavy rains and floods in the first week of September, 1995 had affected a population of 27.69 lakhs in

3093 villages in 14 districts. It also claimed 126 human lives and damaged 1.45 lakh houses and crops in an area of 2.53 lakh hectares.

(e) The relief and rehabilitation measures undertaken by the State Government included evacuation of people to safer places, operation of relief camps, distribution of essential commodities and providing health care to the affected people. Government of India has released its entire share of Calamity Relief Fund for 1995-96 amounting to Rs. 38.33 crores to undertake the relief operations. An amount of Rs. 16.16 crores has also been released from the National Fund for Calamity Relief.

"सेल" के योजना – परिचय में कटौती

602. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल**: क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण के निर्धारित कुल योजना परिव्यय में कटौती की गई है

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या इस कटौती से लौह- अयस्क के उत्पादन पर कोई प्रभाव पड़ने की संभावना है ; और

(घ) यदि हां, तो इस्पात की घरेलू आवश्यकता को किस प्रकार पूरा किया जायेगा ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव) : (क) स्टील अथारिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (सेल) (सहायक कम्पनियों सहित) के लिए आठवीं योजना हेतु मूल रूप से मंजूर 12,520 करोड़ रूपए के संशोधित परिव्यय की सिफारिश की गई हैं।

(ख) से (घ) उपरोक्त (क) को मद्देनजर रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

अन्य पिछड़े वर्गो के लिए पदोत्रति में आरक्षण के प्रावधान के लिए विधेयक

603. **श्री रामजी लाल** : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार संसद के इस सत्र में अन्य पिछड़े वर्गो के लिए पदोत्रति में आरक्षण का प्रावधान करने के लिए कोई विधेयक लायेगा, और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं

कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के0 वी तंग्काबालू) : (क) और (ख) जी, नहीं।

संसद के चालू सत्र में अन्य पिछड़े वर्गो को पदोत्रतियों में आरक्षण प्रदान करने संबंधी विधेयक लाए जाने का प्रस्ताव नहीं हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा अनुसंधान –कार्य पर किया गया व्यय

604. **श्री नागमणि** : ,

चौधरी हरमोहन :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा अनुसंधान- कार्य पर व्यय की गई राशि का मूल्यांकन किया हैं और यह पता लगाया हैं कि अनुसंधान का कितना भाग उत्पादन, प्रति व्यक्ति उपलब्धि विदेशी –मुद्रा आय आदि में वृद्धि करने में वास्तविक रूप से प्रभावी रहा हैं ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस दिशा में कब तक कार्य शुरू कर दिये जाने की सभावना हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मोहम्मद अयूब खान) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) धान की फसलों के कुछ परिणाम उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए यह अनुमान है कि सामान्य तौर पर नापे न जा सकने वाले निवेश संबंधी घटक जैसे अनुसंधान, विस्तार , नियंत्रित विपणन आदि से चावल उत्पादन में करीब 1.03% की वृद्धि हुई हैं जो 1971—88 के दौरान उत्पादन वृद्धि की करीब एक तिहाई हैं। इनमें से केवल मूल्यांकन रहित निवेश घटक